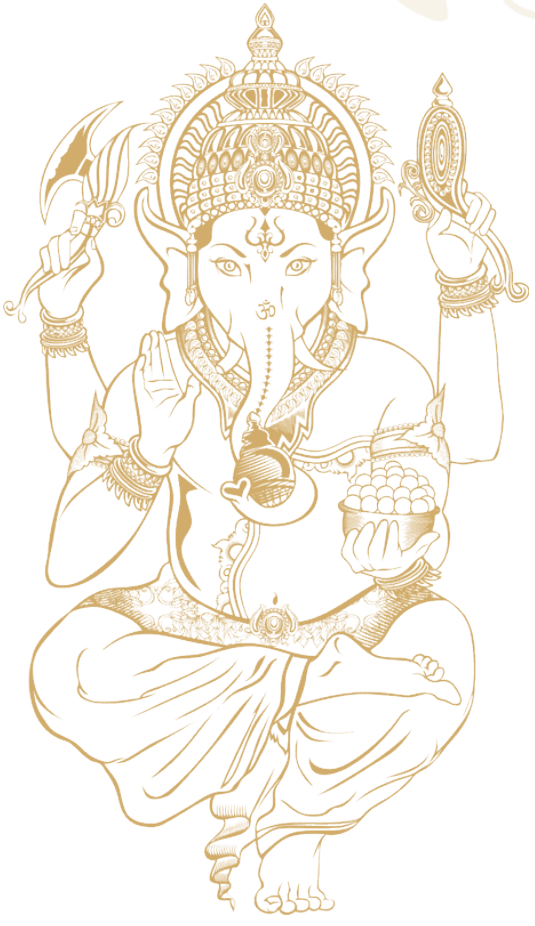

Vinita shimal

13 Mar 1970

09:30 AM

Pauri Garhwal

Model: web-FreeVarshphal

Order No: 121810402

स्त्रीलिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
13/03/1970	जन्म तिथि	**13/03/2026**
शुक्रवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 09:30:00	जन्म समय	18:19:14 घंटे
घटी 07:34:35	जन्म समय(घटी)	29:38:58 घटी
India	देश	India
Pauri Garhwal	स्थान	Pauri Garhwal
उत्तर 30:08:00	अक्षांश	30:08:00 उत्तर
पूर्व 78:48:00	रेखांश	78:48:00 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:14:48	स्थानिक संस्कार	-00:14:48 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:28:10	सूर्योदय	06:27:38
18:21:11	सूर्यास्त	18:21:28
23:26:32	चित्रपक्षीय अयनांश	24:13:30

मेष	लग्न	सिंह
मंगल	लग्न लग्नाधिपति	सूर्य
वृष	राशि	धनु
शुक्र	राशि-स्वामी	गुरु
कृतिका	नक्षत्र	पूर्वाषाढ़ा
सूर्य	नक्षत्र स्वामी	शुक्र
4	चरण	3
विष्कुम्भ	योग	वरियान
तैतिल	करण	वणिज
ए-एकलव्य	जन्म नामाक्षर	फा-फाल्गुनी
मीन	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन
वैश्य	वर्ण	क्षत्रिय
चतुष्पाद	वश्य	मानव
मेष	योनि	वानर
राक्षस	गण	मनुष्य
अन्त्य	नाड़ी	मध्य
गरूड़	वर्ग	मूषक
56	गत/तत्कालिक वर्ष	57

जन्म - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ	ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
कृतिका	1	29:18:51	मेष			लग्न			सिंह	29:03:13	1	उ०फाल्गुनी
पू०भाद्रपद	3	28:43:23	कुंभ			सूर्य			कुंभ	28:43:23	3	पू०भाद्रपद
कृतिका	4	08:54:36	वृष			चंद्र			धनु	22:13:02	3	पूर्वाषाढ़ा
अश्विनी	4	10:55:13	मेष			मंगल		अ	कुंभ	14:23:35	3	शतभिषा
शतभिषा	4	19:14:11	कुंभ		अ	बुध	व	अ	कुंभ	17:00:02	4	शतभिषा
स्वाति	2	11:49:35	तुला	व		गुरु			मिथु	20:52:18	1	पुनर्वसु
उ०भाद्रपद	3	10:13:08	मीन			शुक्र			मीन	14:34:54	4	उ०भाद्रपद
अश्विनी	4	12:33:35	मेष			शनि		अ	मीन	09:01:24	2	उ०भाद्रपद
शतभिषा	4	18:19:43	कुंभ	व		राहु			कुंभ	14:40:44	3	शतभिषा
पू०फाल्गुनी	2	18:19:43	सिंह	व		केतु			सिंह	14:40:44	1	पू०फाल्गुनी
हस्त	2	13:56:32	कन्या	व		मु			धनु	29:18:51	1	उत्तराषाढ़ा

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:30

लग्न-चलित

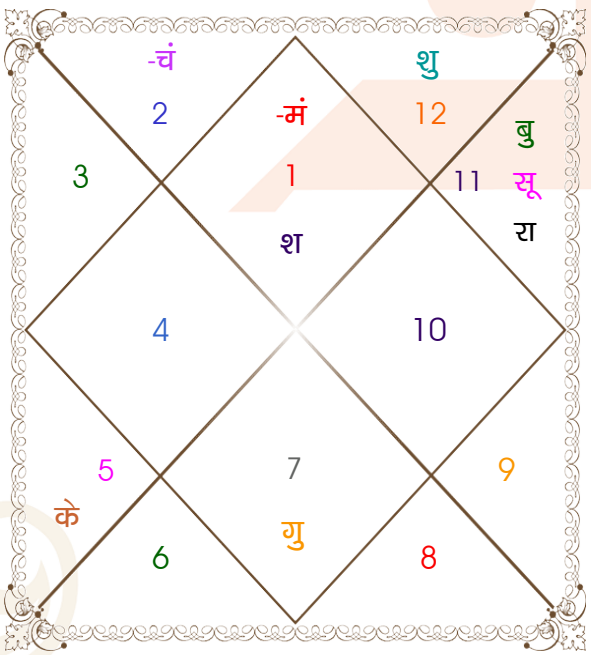

वर्ष लग्न कुंडली

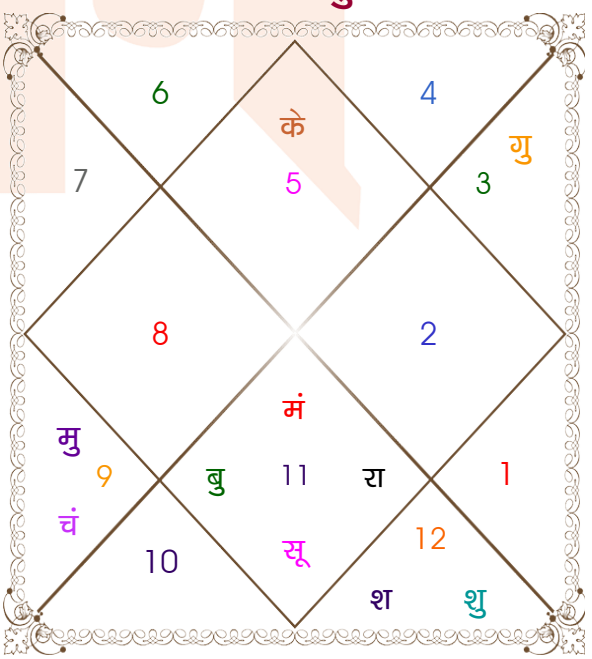

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

शनि - बुध - राहु	
14/03/2026 00:28	
08/08/2026 11:44	
राहु	05/04/2026 03:22
गुरु	24/04/2026 19:16
शनि	18/05/2026 03:39
बुध	08/06/2026 01:03
केतु	16/06/2026 15:30
शुक्र	11/07/2026 05:23
सूर्य	18/07/2026 14:21
चंद्र	30/07/2026 21:17
मंगल	08/08/2026 11:44

शनि - बुध - गुरु	
08/08/2026 11:44	
17/12/2026 13:46	
गुरु	25/08/2026 23:13
शनि	15/09/2026 17:20
बुध	04/10/2026 07:01
केतु	11/10/2026 22:32
शुक्र	02/11/2026 18:52
सूर्य	09/11/2026 08:10
चंद्र	20/11/2026 06:20
मंगल	27/11/2026 21:51
राहु	17/12/2026 13:46

शनि - बुध - शनि	
17/12/2026 13:46	
22/05/2027 05:40	
शनि	11/01/2027 05:17
बुध	02/02/2027 06:32
केतु	11/02/2027 08:27
शुक्र	09/03/2027 07:06
सूर्य	17/03/2027 01:54
चंद्र	30/03/2027 01:14
मंगल	08/04/2027 03:09
राहु	01/05/2027 11:32
गुरु	22/05/2027 05:40

शनि - केतु - केतु	
22/05/2027 05:40	
14/06/2027 20:24	
केतु	23/05/2027 14:43
शुक्र	27/05/2027 13:11
सूर्य	28/05/2027 17:31
चंद्र	30/05/2027 16:45
मंगल	01/06/2027 01:48
राहु	04/06/2027 14:49
गुरु	07/06/2027 18:23
शनि	11/06/2027 12:07
बुध	14/06/2027 20:24

शनि - केतु - शुक्र	
14/06/2027 20:24	
21/08/2027 07:41	
शुक्र	26/06/2027 02:17
सूर्य	29/06/2027 11:15
चंद्र	05/07/2027 02:11
मंगल	09/07/2027 00:39
राहु	19/07/2027 03:32
गुरु	28/07/2027 03:26
शनि	07/08/2027 19:50
बुध	17/08/2027 09:13
केतु	21/08/2027 07:41

शनि - केतु - सूर्य	
21/08/2027 07:41	
10/09/2027 13:28	
सूर्य	22/08/2027 07:58
चंद्र	24/08/2027 00:27
मंगल	25/08/2027 04:47
राहु	28/08/2027 05:39
गुरु	30/08/2027 22:26
शनि	03/09/2027 03:21
बुध	06/09/2027 00:10
केतु	07/09/2027 04:30
शुक्र	10/09/2027 13:28

शनि - केतु - चंद्र	
10/09/2027 13:28	
14/10/2027 07:06	
चंद्र	13/09/2027 08:56
मंगल	15/09/2027 08:10
राहु	20/09/2027 09:36
गुरु	24/09/2027 21:34
शनि	30/09/2027 05:45
बुध	05/10/2027 00:27
केतु	06/10/2027 23:41
शुक्र	12/10/2027 14:37
सूर्य	14/10/2027 07:06

शनि - केतु - मंगल	
14/10/2027 07:06	
06/11/2027 21:51	
मंगल	15/10/2027 16:10
राहु	19/10/2027 05:10
गुरु	22/10/2027 08:44
शनि	26/10/2027 02:28
बुध	29/10/2027 10:46
केतु	30/10/2027 19:49
शुक्र	03/11/2027 18:17
सूर्य	04/11/2027 22:37
चंद्र	06/11/2027 21:51

शनि - केतु - राहु	
06/11/2027 21:51	
06/01/2028 15:12	
राहु	16/11/2027 00:27
गुरु	24/11/2027 02:46
शनि	03/12/2027 17:30
बुध	12/12/2027 07:58
केतु	15/12/2027 20:59
शुक्र	25/12/2027 23:52
सूर्य	29/12/2027 00:44
चंद्र	03/01/2028 02:11
मंगल	06/01/2028 15:12

शनि - केतु - गुरु	
06/01/2028 15:12	
29/02/2028 14:37	
गुरु	13/01/2028 19:55
शनि	22/01/2028 09:01
बुध	30/01/2028 00:33
केतु	02/02/2028 04:07
शुक्र	11/02/2028 04:01
सूर्य	13/02/2028 20:47
चंद्र	18/02/2028 08:44
मंगल	21/02/2028 12:18
राहु	29/02/2028 14:37

शनि - केतु - शनि	
29/02/2028 14:37	
03/05/2028 16:56	
शनि	10/03/2028 18:11
बुध	19/03/2028 20:06
केतु	23/03/2028 13:51
शुक्र	03/04/2028 06:14
सूर्य	06/04/2028 11:09
चंद्र	11/04/2028 19:20
मंगल	15/04/2028 13:04
राहु	25/04/2028 03:49
गुरु	03/05/2028 16:56

शनि - केतु - बुध	
03/05/2028 16:56	
30/06/2028 01:19	
बुध	11/05/2028 19:55
केतु	15/05/2028 04:12
शुक्र	24/05/2028 17:36
सूर्य	27/05/2028 14:25
चंद्र	01/06/2028 09:07
मंगल	04/06/2028 17:24
राहु	13/06/2028 07:52
गुरु	20/06/2028 23:23
शनि	30/06/2028 01:19

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा उत्साह एवं परिश्रम पूर्वक आपके समस्त शुभ एवं सांसारिक कार्य सम्पन्न होंगे। साथ ही इनमें आपको वांछित सफलता भी प्राप्त होगी। मानसिक स्थिति भी इस समय अच्छी रहेगी तथा मन में शान्ति एवं सन्तुष्टि बनी रहेगी। इस वर्ष में व्यक्तिगत सुख शान्ति तथा समृद्धि बनी रहेगी तथा पारिवारिक जनों से पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त होगा। संतति पक्ष से भी आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे तथा अपने कार्य क्षेत्र में उन्नतिशील रहेंगे। साथ ही इस वर्ष में आपको पुत्र संतति की प्राप्ति भी हो सकती है। धर्म के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा रहेगी तथा धार्मिक कार्य कलापों को आप सम्पन्न करते रहेंगे। साथ ही धार्मिक नेताओं से सम्पर्क एवं तीर्थयात्रा के भी योग बनेंगे। इस समय आपकी बुद्धि तीक्ष्ण रहेगी तथा सभी लोग आपकी बुद्धिमता से प्रभावित रहेंगे तथा आप पर पूर्ण विश्वास करेंगे। अतः आपकी समाजिक मान प्रतिष्ठा तथा यश में अभिवृद्धि होगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति के लिए भी यह वर्ष उत्तम रहेगा। इस समय व्यापार में आपकी इच्छित उन्नति एवं विस्तार होगा तथा लाभ मार्ग भी प्रशस्त होंगे। साथ ही राज्य या सरकार के द्वारा आपको कोई विशिष्ट सम्मान भी प्राप्त हो सकता है। नौकरी या राजनीति में भी इस समय आपको महत्वपूर्ण पद की प्राप्ति होगी तथा सभी लोग आपके पराक्रम तथा प्रभाव को स्वीकार करेंगे एवं आपको यथोचित सम्मान प्रदान करेंगे। शत्रु या विरोधी पक्ष को इस समय आप पराजित करेंगे तथा नवीन आय स्रोतों में वृद्धि करके आर्थिक रूप से सुदृढ़ रहेंगे। साथ ही कोई विशष्ट लाभ भी हो सकता है। अतः यह समय आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं सौभाग्य शाली रहेगा तथा प्रसन्नता पूर्वक आपका समय व्यतीत होगा।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए उत्तम रहेगा तथा आप अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगी तथा इनमें आपको समय समय पर इच्छित सफलता की भी प्राप्ति होगी। इस समय मानसिक रूप से भी आप शान्त तथा प्रसन्न रहेंगी तथा मन में स्फूर्ति का भाव विद्यमान रहेगा। इस वर्ष में आपकी बुद्धि निर्मल तथा शुद्ध रहेगी तथा अपनी बुद्धिमता से आप अन्य जनों पर अपना प्रभुत्व स्थापित करने में समर्थ रहेंगी साथ ही सभी सामाजिक लोग आपसे पूर्ण प्रभावित रहेंगे एवं आपको अपना पूर्ण सम्मान एवं सहयोग प्रदान करेंगे। इस समय आप स्व बुद्धिबल से जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सफलता प्राप्त करेंगी। संतति पक्ष से भी आपको पूर्ण सहयोग एवं प्रसन्नता मिलेगी तथा अपने क्षेत्र में उन्नति तथा सफलता के मार्ग पर अग्रसर रहेंगे ।इसके साथ ही कार्य क्षेत्र में भी आप उन्नति के मार्ग पर अग्रसर रहेंगी तथा प्रभाव तथा यश में भी वृद्धि होगी।

इस समय आपके हृदय में धार्मिकता के भाव की प्रबलता रहेगी तथा धर्मसंबधी कार्यो को करने के लिए आप तत्पर रहेंगी। देवता तथा ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा रहेगी तथा श्रद्धापूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करने में तत्पर रहेंगी।इसके साथ ही किसी शुभ पुण्य या किसी परोपकार संबधी कार्य में भी आपकी रूचि होगी तथा श्रद्धापूर्वक आप इन कार्यो को सम्पन्न करेंगी एवं यत्नपूर्वक अपना सहयोग प्रदान करेंगी। नाना प्रकार के भौतिक सुख संसाधनों की भी आपको इस समय प्राप्ति होगी तथा प्रसन्नता पूर्वक आप इनका उपभोग करेंगी। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग भी आपसे सन्तुष्ट रहेगा तथा उनसे आप वांछित सहयोग तथा लाभ समय समय पर प्राप्त करेंगी। अतः आपका समय आनंद पूर्वक व्यतीत होगा।